[Shri K. C. Pant]

concern and I would have liked to explain to him the exact position in regard to these matters. But in view of the fact that many members are yet to speak, I would only like to tell the House that I have discussed all these questions, whether it is illegal, mining, whether it is money-lending, whether it is the law and order situation in the coal mine area, with the Chief Minister of Bihar and together we are tackling these problems. We are at it. We are not ignoring these questions at all. That assurance I can give to all members, that all aspects of the coal mining industry are very much before our eyes in the State Government and the Central Government and the trade unions are today working in concert together for the objective of increasing coal production, of improving productivity and of seeing that the energy sector fulfils its obligations during this period of emergency and lays the foundations even for the future so that we can make the contribution that is expected of us in fulfilling this 20-point programme.

---

## STATEMENT RE: SITTINGS OF THE HOUSE

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K RAGHU RAMAIAH): With your permission, I would like to announce that the House will sit also on Tuesday the 5th, Wednesday the 6th Thursday the 7th of August.

17.32 hrs.

## MOTION RE: NEW PROGRAMME FOR ECONOMIC PROGRESS—*contd.*

**श्री शिव नाथ सिंह (झुंझुनू)** : सभापति जी, प्रधान मंत्री जी ने आर्थिक विकास के सम्बन्ध में 20 सूत्री कार्यक्रम की घोषणा की। जैसा कि स्वयं प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि यह कोइ नया प्रोग्राम नहीं है। लेकिन जिस समय घोषणा की गई है इस में इसकी अहमियत है। कांग्रेस ने, जो कि देश का शासक दल है और सरकार ने भी समय समय पर आर्थिक कार्यक्रम के लिये, आर्थिक विकास के लिये घोषणायें की हैं और उन में से बहुत सी कार्यान्वित भी हुई है। नरोरा कैम्प से कांग्रेस ने एक दिशा दी और उस के बाद नरोरा प्रोग्राम को सभी प्रान्तों में काफी गम्भीरता से लिया गया और उस का पालन भी किया गया। अब यह नया 20 सूत्री प्रोग्राम हमारे सामने है। हमें यह देखना पड़ेगा कि किन स्थितियों में यह घोषणा हुई है, और इमरजैन्सी के साथ साथ इस कार्यक्रम की घोषणा हुई है जिस से इस की अहमियत और बढ़ गई है। आज देश का हर नागरिक यह सोचता है कि इमरजैन्सी हमारे हित के लिये लागू हुई है। और सही भी है देहात में जो खेतों मे काम करते है, जो मजदूर हैं जिन्होंने के आज तक फ्रीडम आफ स्पीच और एक्सप्रेशन कभी नही भोगा उन्होंने एक राहत की सांस ली है। लेकिन देखना यह है कि यह कार्यक्रम सफलता-पूर्वक लागू हो।

मैं मानता हूं कि सम्पूर्ण आर्थिक विकास इस में निहित नहीं है। लेकिन उस ओर हमरा कदम हैं और उस की सार्थकता इसी में है कि इस को पूरी तरह से लागू किया जाए। यदि इस कार्यक्रम को जनता तक नहीं पहुंचा सके और पूर्ण नहीं कर पाये तो हमारी एक बहुत बड़ी खामी रहेगी और उस खामी के लिये हम किसी भी तरह से माफ नहीं किये जा सकते। जनता ने 1971 के चुनाव के